

(12)

समाहरणालय, पटना  
(जिला विधि शाखा)

फोन नं०-0612-2219545(का०)  
फैक्स नं०-0612-2218900  
Email-legalsectionpatna@gmail.com  
dm-patna.bih@nic.in

पत्रांक XV-34/16...3088.../ मु० विधि दिनांक...10.../10.../2017

जिलाधिकारी,  
पटना।

नगर आयुक्त, पटना नगर निगम, पटना।

नगर पुलिस अधीक्षक, मध्य, पटना।

विषय :- कदमकुआँ थाना कांड सं०-238/14 दिनांक 24.05.14 धारा-420/467/  
468/471/120(बी) भा०द०वि० के प्राथमिकी नामजद अभियुक्त श्री शैलेश  
कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, बाँकीपुर अंचल, पटना नगर निगम, पटना के  
विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति के संबंध में।

प्रसंग:- इस कार्यालय का पत्रांक 659/मु०विधि दिनांक 06.03.17 एवं 2439/मु०विधि  
दिनांक 12.08.17

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्रों का कृप्या स्मरण करना चाहेंगे। सामान्य  
प्रशासन विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 17251 दिनांक 28.12.16 की प्रति भेजते हुए पत्र में  
वर्णित से संबंधित पदाधिकारी श्री शैलेश कुमार, तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी, बाँकीपुर  
अंचल, पटना नगर निगम, पटना से संबंधित रहने के आलोक में मंतव्य एवं प्रतिवेदन की  
मांग की गयी थी, जो अभी तक अप्राप्त है, जिसके कारण सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार,  
पटना को प्रतिवेदन नहीं भेजा जा सका है।

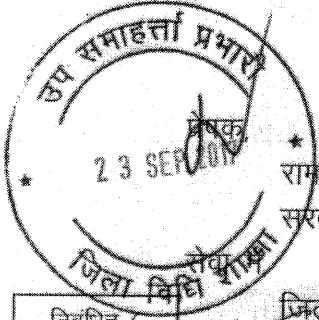
सरकार से प्रतिवेदन हेतु पुनः स्मार पत्रांक 12082 दिनांक 18.09.17 प्राप्त हुआ  
है, की छायाप्रति संलग्न करते हुए अनुरोध है कि पत्र में वर्णित बिन्दुओं के आलोक में  
अविलम्ब मंतव्य/प्रतिवेदन उपलब्ध कराने की कृपा की जाय, ताकि सामान्य प्रशासन विभाग,  
बिहार, पटना को प्रतिवेदन अविलम्ब भेजा जा सके।

अनुलग्नक:- यथोपरि।

विश्वासभाजन,  
जिलाधिकारी,  
पटना।

संचिका संख्या-08/अभि0-03-06/2016 सा0प्र0.12082/

65



बिहार सरकार  
सामान्य प्रशासन विभाग

जिला विधि शाखा

राम बिशुन राय,  
सरकार के अवर सचिव



निबंधित/  
स्पीड पोस्ट

जिला पदाधिकारी,  
पटना।

नगर पुलिस अधीक्षक, मध्य,  
पटना।

62231/17

पटना-15, दिनांक 18-9-17

6/अजय

25/9/17

विषय:- कदमकुआँ थाना कांड संख्या-238/2014 दिनांक 24.05.2014 के प्राथमिकी अभियुक्त श्री शैलेश कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, बाँकीपुर अंचल, पटना नगर निगम, पटना के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति के संबंध में।

प्रसंग:-विभागीय पत्रांक 17251 दिनांक 28.12.2016  
महाशय,

निदेशानुसार उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि आपके पत्रांक 2390 दिनांक 08.08.2016 एवं पत्रांक 2629 दिनांक 05.09.2016 द्वारा श्री शैलेश कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, बाँकीपुर अंचल, पटना नगर निगम, पटना के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति हेतु प्रस्ताव प्राप्त कराया गया है। उक्त क्रम में मामले के समीक्षोपरांत प्रासंगिक विभागीय पत्रांक 17251 दिनांक 28.12.2016 द्वारा श्री शैलेश कुमार के विरुद्ध दर्ज थाना कांड में उनकी अपराधिक संलिप्तता के बिन्दु पर सुस्पष्ट मंतव्य की मांग की गयी थी, जो कि आज तक अप्राप्त है।

अतः अनुरोध है कि इस संबंध में यथाशीघ्र मंतव्य उपलब्ध कराने की कृपा की जाय।

अनु0-प्रासंगिक पत्र की छाया प्रति।

विश्वासभ्रज

18.9.17

(राम बिशुन राय)

सरकार के अवर सचिव।

36209

18.9.17

119

18.9.17

बिहार सरकार  
सामान्य प्रशासन विभाग

64

प्रेषक,

राम बिशुन राय,  
सरकार के अवर सचिव।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
पटना।

नगर पुलिस अधीक्षक, मध्य,  
पटना।

पटना-15, दिनांक- 28-12-16

विषय :- कदमकुआँ थाना कांड सं0-238/14 दिनांक 24.05.2014 के प्राथमिकी अभियुक्त श्री शैलेश कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, बाँकीपुर अंचल, पटना नगर निगम, पटना के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति के संबंध में।

प्रका  
महाशय

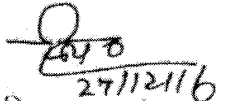
आपका पत्रांक - 2990 दि. - 8.8.16 एवं 2629 दि. - 5.9.16

निदेशानुसार उपर्युक्त विषयक प्रसागिक पत्रों द्वारा प्राप्त कदमकुआँ थाना कांड सं0-238/14 दिनांक 24.05.2014 के प्राथमिकी अभियुक्त श्री शैलेश कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, बाँकीपुर अंचल, पटना नगर निगम, पटना के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति प्रस्ताव एवं अभिलेखों की समीक्षा विभागीय स्तर पर की गई। सम्यक् समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री शैलेश कुमार द्वारा पारित आदेश से कही यह स्पष्ट नहीं होता है कि उन्होंने अपराधिक सलिप्तता के कारण कुमार ज्ञानेन्द्र यादव की मदद की। उल्लेखनीय है कि कुमार ज्ञानेन्द्र यादव के पक्ष में होल्डिंग नगर निगम में वर्ष 2004-05 में कायम हुआ था, जिस पर न्यायालय में विवाद चल रहा है। श्री शैलेश कुमार ने मात्र अपने आदेश दिनांक 27.06.2013 द्वारा इस वाद की कार्रवाई रथगित की एवं किसी के पक्ष में इनके द्वारा कोई आदेश पारित नहीं किया गया। वरीय स्थिति में यह जानकारी आवश्यक है कि प्रश्नगत मामले में श्री शैलेश कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी, बाँकीपुर अंचल के आदेश दिनांक 27.06.2013 से किस रूप में इनकी अपराधिक सलिप्तता विरुद्ध पर निष्कर्ष कायम किये गये, जबकि होल्डिंग टैक्स कुमार ज्ञानेन्द्र यादव के नाम वर्ष 2004-05 में ही बना था, जिसके लिए श्री शैलेश कुमार जिम्मेदार नहीं है।

नामांतरणवाद एक अर्द्ध न्यायिक प्रक्रिया है, जिसके लिए अपराधिक मामले चलाने के विषय पर, न्यायालय को Right of Protection भी प्राप्त है। अभियोजन की स्वीकृति के लिए विभागीय सहमति देने के पूर्व यह आवश्यक है कि दोषी पदाधिकारी के विरुद्ध दर्ज थाना कांड में उनकी अपराधिक सलिप्तता स्पष्ट हो। प्रश्नगत मामले में श्री शैलेश कुमार के अपराधिक सलिप्तता स्पष्ट नहीं हो पा रही है।

अतः अनुरोध है कि इस विषय पर सुस्पष्ट मन्तव्य उपलब्ध कराने की कृपा की जाय।

विश्वासमानाजन



(राम बिशुन राय)

सरकार के अवर सचिव

के.